STUDY OF ORGANIC FARMINIG OF AGRICULTURE IN RAMPUR, MAHUADANR, JHARKHAND

A DISSERTATION SUBMITTED TO ST. XAVIER'S COLLEGE MAHUADANR

AFFILIATED TO NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY

BACHELOR OF ARTS

BY

GROUP -J

Miss ANJNA KERKETTA (Reg. No.- NPU2020013262)

Miss ANU KUMARI KHERWAR (Reg. No.- NPU2020013284)

Mr. ANKIT KUJUR (Reg. No.- NPU2020013155)

Mr. ARVIND LAKRA (Reg. No.- NPU2020013157)

Mr. JOLSON SOY (Reg. No.- NPU2020013363)

Under the guidance of

Asst. Prof. SHEPHALI PRAKASH

(M.A, UGC NET)

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

ST. XAVIER'S COLLEGE MAHUADANR

Nationally Accredited with Grade 'B' (NAAC)

MAHUADANR (822119), LATEHAR JHARKHAND

CERTIFICATE

This is to certify that the project work entitled **"STUDY OF ORGANIC FARMING OF AGRICULTURE RAMPUR MAHUADANR "** submitted to **St. Xavier's College Mahuadanr** in partial fulfillment of requirement for the award of Bachelor of Arts in Geography to awarded by the **University of Nilamber Pitamber** is a bonafied record of the work carried out by

Miss ANJNA KERKETTA (Reg. No.- NPU2020013262)

Miss ANU KUMARI KHERWAR (Reg. No.- NPU2020013284)

Mr. ANKIT KUJUR (Reg. No.- NPU2020013155)

Mr. ARVIND LAKRA (Reg. No.- NPU2020013157)

Mr. JOLSON SOY (Reg. No.- NPU2020013363)

ASST. PROF. SEPHALI PRAKASH
Head of the Department,
Department of Geography
St. Xavier's College Mahuadanr,
Latehar – 822119, Jharkhand

Head of the Department
Dept. of Geography
St. Xavier's College, Mahudanr
Latehar, Jharkhand - 822119

ASSISTANT PROF.
DR. AREFUL HOQUE
Project Guide
St. Xavier's College Mahuadanr
Latehar – 822119, Jharkhand

ACKNOWLEDGEMENT

First of all I praise and thank the **ALMIGHTY GOD** from the depth of heart for showering his grace, love and blessing to make this Endeavor possible.

I am profoundly thankful to my beloved principal, **Fr. MK Joseph SJ** for allowing me to study the under graduate course in this historical institution.

I thank **Miss. Shephali Prakash, Head of the Department of Geography**, St. Xavier's College Mahudanr – 822119 , for allowing me to take this dissertation and for permission to use the lab and the instruments available in the department.

Assistant Prof. Dr. Areful Hoque (M.A. UGC NET, PHD) was my guide for this dissertation. I am extremely grateful for her inspiring guidance, useful discussions and encouragement throughout the dissertation and whose meticulous and patient guidance has enriched me personally and intellectually.

I express my heartfelt thanks to all my fellow students who encouraged me to finish this dissertation successfully.

Anjna Kerketta ANJNA KERKETTA

Anu Kumari Kherwar ANU KUMAR KHERWAR

Ankit Kujur ANKIT KUJUR

Arvind Lakra ARVIND LAKRA

JOLSON SOY

	बिषय सूची		
क्रमांक संख्या	विषय	पेज संख्या	हस्ताक्षर
1.	प्रमाण पत्र		
2.	स्वीकृति पत्र		
3.	परिचय		
4.	भूगोल के अध्ययन का महत्व		
5.	भूगोल के अध्ययन का उद्देश्य		
6.	भूगोल की प्रकृति		
7.	मानवीय भूगोल के अंतर्गत कृषि भूगोल		
8.	विश्व में जैविक कृषि किस किस देश में होता है? 1. जर्मनी 2. ऑस्ट्रेलिया 3. कनाडा		
9.	भारत में जैविक कृषि किस किस राज्य में होता है? 1. सिक्किम 2. मध्यप्रदेश 3. झारखण्ड 4. छत्तीसगढ़		
10.	सिक्किम की रणनीति		
11.	जैविक खेती के फायदे		
12.	जैविक खेती से होने वाली समस्याओं का कथन		
13.	शोध कार्य का उद्देश्य		
14.	आंकड़ा का संग्रह पध्दति		

निष्कर्ष-

इस ग्रुप इस ग्रुप वर्क के द्वारा हम जैविक खेती को सर्वे के आधार पर रामपुर (महुआडांड़) को लिया गया है। इस कार्य के आधार पर तब हमें यह पता चल आती है रामपुर गांव में पहले अधिक मात्रा में जैविक खेती की जाती थी परंतु वर्तमान वर्तमान में सीमित मात्रा में जैविक खेती की जाती है। इस सर्वे आधार पर पता चला की अशिक्षित व सरकार द्वारा लाभ न मिलने के कारण वे कृषि क्षेत्र में पिछड़े हुए हैं। हमारे पूर्वज पहले जैविक खेती करते थे जिससे वे हष्ट पुष्ट रहते थे मगर आधुनिक युग में मानव जात रासायनिक खादों के सेवन से शरीर को नुकसान पहुंचा रहा है कम उम्र में बच्चों के बाल पक रहे हैं कम है उम्र में बुढ़ापे का शिकार हो रहे है। इसलिए हमें इसलिए हमें आवश्यकता है कि जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए तथा रासायनिक खादो द्वारा उपजाए गए फसलों का सेवन कब करें फसलों का सेवन कम करें। जैविक खेती द्वारा हम मिट्टी को प्रदूषण से बचा सकते हैं। जैविक खेती से भले ही फसल एवं सब्जी का उत्पादन कम होता है, लेकिन फसल का गुणवत्ता बहुत ही अच्छा होता है। जो हमारे पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है। इसलिए विश्व का सारे देश अभी जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है।

जैविक खेती से मृदा का गुणवत्ता बहुत ही अच्छा रहता है। जैविक खेती से बहुत सारे विटामिन एवं पौष्टिक तत्व होते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा होता है। भारत में जैविक खेती बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है।